RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 09 अगस्त 2024 | वर्ष 06 | अंक 111 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

मुख्यमंत्री पद की पेशकश की होती तो पूरी एनसीपी को अपने साथ ले आते - अजित पवार

Page - 3

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

युद्धस्तर पर सड़कों के गड्ढे भरें अधिकारी...

बाधा डालने वालों पर दर्ज करें एफआईआर- सीएम शिंदे

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई समेत राज्य की तमाम शहरों की सड़कों के टूटने और गड्ढे होने पर कड़ी चेतावनी जारी की है। मुख्यमंत्री ने ठाणे, पालघर, नासिक, रायगढ़ जिलों में राजमार्गों पर गड्ढों और ट्रैफिक जाम का हल निकालने को कहा है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह ठाणे, पालघर, नासिक, रायगढ़ जिलों से सही ढंग से भारी यातायात को नियंत्रित करें। इतना ही नहीं नासिक, अहमदाबाद हाईवे पर पार्किंग स्थल की व्यवस्था भी करें। सीएम ने कहा कि सड़कों की ठीक करने के लिए एम सिक्स्टी टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ रैपिड क्विक सेटिंग हार्डनर, हाईवे पोथोल फिलर से काम पूरा करेंगे। सड़क मरम्मत कार्य को पूरा करके नागरिकों को ट्रैफिक जाम राहत दिलाएं।

ठाणे-नासिक हाईवे देखेंगे सीएम

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार सीएम एकनाथ शिंदे ने नासिक-भिवंडी रोड भी ठीक करने के निर्देश दिए हैं। सड़क के जर्जर होने से ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाएं सामने आई हैं। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि वे मरम्मत कार्य में बाधा डालने वालों पर मुकदमा दर्ज करें। मुख्यमंत्री ठाणे से नासिक, ठाणे से अहमदाबाद हाईवे पर गड्ढों को लेकर मुख्यमंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक जाम से होने वाली समस्याओं से नागरिकों को तत्काल राहत दिलाने के लिए सिस्टम को दिन-रात एक कर गड्ढों को भरें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि वह शुक्रवार का ठाणे-नासिक हाईवे पर मरम्मत कार्य का निरीक्षण करेंगे।

मुंबई में अक्षय कुमार पहुंचे हाजी अली की दरगाह...

मुंबई : गुरुवार यानी कि 8 अगस्त 2024 की सुबह अक्षय कुमार मुंबई स्थित हाजी अली की दरगाह पर पहुंचे. उनके साथ फिल्म डायरेक्टर मुदस्सर अजीज भी मौजूद थे. इस मौके पर अक्षय कुमार ने हाजी अली की दरगाह के रिनोवेशन के लिए एक करोड़ 21 लाख रु. दान किए हैं. हाजी अली दरगाह ट्रस्ट ने इस बारे में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट भी किया है. जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार को अपने कंट्रीब्यूशन के लिए धन्यवाद किया है. मैनेजिंग ट्रस्टी ने इस मौके पर अक्षय कुमार के पेरेंट्स के लिए दुआ भी मांगी. इससे पहले अक्षय कुमार राम मंदिर निर्माण के लिए तीन करोड़ रु. का दान कर चुके हैं.

कोरोना काल में किया दान

वैसे अक्षय कुमार दान धर्म के काम में कभी पीछे नहीं रहे हैं. साल 2020 में कोरोना काल के दौरान अक्षय कुमार ने गौतम गंभीर फाउंडेशन में एक करोड़ रु. का दान किया था. अक्षय कुमार ने पीएम केयर्स फंड में 25 करोड़ रु. दान में दिए थे. सोशल वर्क में आगे रहने वाले अक्षय कुमार फिल्मों की दुनिया में भी दरियादिल हैं. हाल ही में उनकी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां रिलीज हुई थी. फिल्म ने ठीक काम नहीं किया तो अक्षय कुमार ने खुद अपना पेमेंट कुछ दिन के लिए होल्ड पर डाल दिया ताकि दूसरे क्रू मेंम्बर्स का पेमेंट पूरा हो सके. अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन सितारों में से एक है जो उम्दा फिल्म करने के लिए मशहूर हैं. अपने पब्लिक अपीयरेंस से भी अक्षय कुमार लोगों को खूब एंटरटेन करते हैं. अक्षय कुमार की शख्सियत का एक और खास पहलू है. बॉलीवुड का ये खिलाड़ी मजहबी एकता बनाए रखने में भी यकीन रखता है. इसका सबूत है अक्षय कुमार का ऐसा कारनामा जो उन्होंने हाल ही में कर दिखाया है. और, उसकी वजह से खूब सुर्खियां भी बटोर रहे हैं. चलिए आपको बताते हैं खिलाड़ी कुमार ने ऐसा क्या किया है, जिसे देखने सुनने के बाद उनके फैन्स उन्हें रियल सुपरस्टार बता रहे हैं.

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में 19 वर्षीय युवती का शव बरामद... हत्या का मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक झील के पास से 19 वर्षीय युवती का शव बरामद होने के बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एनआरआई थाने के अधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान भाविका मोरे के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे डीपीएस स्कूल के पीछे फ्लेमिंगो झील के पास नाला से शव बरामद हुआ।

इससे पहले, पुलिस के एक सूत्र ने बताया था कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि युवती और उसका मित्र झील की ओर गए थे। ऐसे में यह संदेह है कि युवती के मित्र ने उसकी गला घोंटकर हत्या की। हालांकि, प्राथमिकी में इन पहलुओं का उल्लेख नहीं किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवती के रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर बुधवार रात भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है तथा जांच जारी है।

घाटकोपर बिलबोर्ड हादसा:

आरोपी भावेश भिंडे की याचिका पर शुक्रवार को फैसला

मुंबईः घाटकोपर विशाल बिलबोर्ड दुर्घटना के संबंध में एगो मीडिया के मालिक भावेश भिंडे की जमानत और मामले को रद्द करने के लिए दायर याचिका पर उच्च न्यायालय ने बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही यह भी साफ किया है कि उनकी याचिका पर फैसला शुक्रवार को सुनाया जाएगा। तख़्ता दुर्घटना भाग्य थी. यह दावा करते हुए कि उन्हें इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, भिंडे ने जमानत की मांग की है। इसके अलावा भिंडे ने यह दावा करते हुए भी हिरासत को चुनौती दी है कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है।

भिंडे की याचिका पर बुधवार को न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। उस समय, दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि वह याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुनाएगी। इससे पहले भिंडे पुलिस को गुमराह करने के लिए अपनी पहचान बदलकर राजस्थान के उदयपुर में अलग-अलग होटलों में रह रहा था। उसके ठिकाने का पता लगाने के बाद, पुलिस ने उसे 16 मई को उदयपुर से हिरासत में ले लिया। उसके बाद, उन्हें अगले दिन गुजरात के रास्ते मुंबई लाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया, लोक अभियोजक हितेन वेनेगांवकर ने बहस के दौरान मुंबई पुलिस की ओर से दावा किया।

भिवंडी शहर में एक फ्लैट में छापेमारी...

800 करोड़ की ड्रग बरामद...

भिवंडीः गुजरात एटीएस ने बुधवार को महाराष्ट्र के भिवंडी स्थित एक फ्लैट में बड़ी कार्रवाई की. एटीएस ने ड्रग्स बनाने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही 800 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग बरामद की है. बता दें, अळर की यह कार्रवाई सूरत में ड्रग फैक्ट्री के खुलासे के बाद की गई है. पुलिस अधिकारियों ने टीम ने 800 करोड़ रुपये मूल्य की 792 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है. अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान मोहम्मद यूनुस और मोहम्मद आदिल के रूप में हुई है. यह कार्रवाई 18 जुलाई को की गई पिछली ड्रग भंडाफोड़ से जुड़ी है, जिसमें अधिकारियों ने 35 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की थी. उस समय, दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया था. बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी का संपर्क सुनील यादव से है जो सूरत केस में आरोपी है. दुबई के स्थानीय पैडलर के साथ मिलकर ये आरोपी एमडी ड्रग बनाने का काम करता था. अधिकारियों ने इस व्यापक ड्रग नेटवर्क के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है. गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों में मोहम्मद यूनुस एजाज डोंगरी, मुंबई में रहता है. जबकि दूसरा आरोपी मोहम्मद आदिल चिंचबंदर पोस्ट ऑफिस के पास, डोंगरी, मुंबई में रहता है.

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान यह पता चला कि, मोहम्मद यूनुस इजाज दुबई से सोने और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की तस्करी में शामिल था. दुबई में ही उसकी मुलाकात एक अज्ञात व्यक्ति से हुई, जिसके साथ मोहम्मद यूनुस और मोहम्मद आदिल ने अवैध मेफेड्रोन (एमडी) के उत्पादन और बिक्री के माध्यम से भारी वित्तीय लाभ कमाने की योजना बनाई. मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद यूनुस और मोहम्मद आदिल ने अवैध मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माण के लिए पिछले 8-9 महीनों से महाराष्ट्र के भिवंडी में एक फ्लैट किराए पर लिया था. यहीं पर दोनों ने कच्चा माल, उपकरण एकत्र किया और अवैध मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माण के लिए रासायनिक प्रक्रिया शुरू की. दोनों गिरफ्तार आरोपियों की इस आपराधिक गतिविधि में उनका एक साथी सादिक भी शामिल है.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

सरकार का सही कदम...

मोदी सरकार ने बहुचर्चित वक्फ अधिनियम में संशोधन वाला विधेयक लोकसभा में पेश करने के बाद विपक्ष की मांग पर ध्यान देते हुए उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का जो फैसला लिया, वह इस दृष्टि से सही कदम है, क्योंकि इस समिति में उस पर विस्तार से और संभवतः दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार हो सकेगा। इससे सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि विपक्ष के पास यह बहाना नहीं रह जाएगा कि सरकार ने एक महत्वपूर्ण विधेयक बिना बहस आनन-फानन पारित करा लिया और उसकी कोई बात नहीं सुनी गई। ध्यान रहे कि मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में अनेक विधेयकों के संसद से पारित होने और उनके कानून में परिवर्तित हो जाने के बाद विपक्ष ने यह माहौल बनाया कि उन पर संसद में चर्चा नहीं होने दी गई। ऐसे कुछ कानूनों को लेकर जनता को बरगलाने का भी काम किया गया। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और फिर कृषि संबंधी तीन कानूनों को लेकर विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए किस तरह जनता को गुमराह किया। देखना है कि शीघ्र गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति वक्फ संशोधन अधिनियम पर किस तरह विचार करती है और वह कोई आम सहमति कायम कर पाती है या नहीं? चूंकि ऐसी समितियों की बैठकें सार्वजनिक रूप से नहीं होतीं, इसलिए उनमें विचार-विमर्श कहीं अधिक धीर-गंभीर तरीके से होता है। प्रश्न यह है कि ऐसा ही विचार-विमर्श लोकसभा और राज्यसभा में क्यों नहीं हो सकता? क्या इसलिए, क्योंकि दोनों सदनों की कार्यवाही का टीवी पर सीधा प्रसारण होता है और आमतौर पर सांसद किसी विषय पर कोई सार्थक सुझाव देने के बजाय अपने क्षेत्र की जनता और समर्थकों को कोई राजनीतिक संदेश देना ज्यादा जरूरी समझते हैं?

माना यह गया था कि संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण संसदीय कार्यवाही की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, लेकिन अभी तक का अनुभव यही अधिक बताता है कि जब से विधानमंडलों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण होने लगा है, तबसे विधायी सदनों में सार्थक चर्चा के स्थान पर हंगामा अधिक होने लगा है। इसकी सराहना नहीं की जा सकती कि वक्फ संशोधन अधिनियम के लोकसभा में पेश होते ही विपक्षी दलों ने यह शोर मचाना शुरू कर दिया कि सरकार की नीयत ठीक नहीं है। उसकी ओर से यह घिसा-पिटा तर्क भी दिया गया कि सरकार मुस्लिम समाज के हितों की अनदेखी कर रही है। ऐसे तर्क इसलिए हास्यास्पद हैं, क्योंकि सच यह है कि वक्फ बोर्ड अरबों रुपये की संपत्तियों के स्वामी होने के बावजूद मुस्लिम समाज की भलाई के लिए कुछ ठोस नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद भी विपक्ष सुधार की एक सही पहल पर मुस्लिम समाज के मन में भय का भूत खड़ा करना चाहता है। यह वोट बैंक की सस्ती राजनीति के अलावा और कुछ नहीं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

दादर सूटकेस मर्डर केस में आया नया मोड़...
हत्यारे से अनैतिक संबंध का आरोप

मुंबई : मुंबई के दादर सूटकेस मर्डर केस में नया मोड़ सामने आया है. क्योंकि इस मामले में अरशद की हत्या के मामले में उसकी पत्नी रुखसाना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. चार अगस्त को दो लोगों ने अरशद की हत्या कर दी थी. इसके बाद दोनों उसके शव को दादर की तुतारी एक्सप्रेस से ले जा रहे थे. लेकिन पुलिस को दोनों की गतिविधियों पर संदेह हुआ और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. इस मामले में अब अरशद की हत्या करने वाली उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

वास्तव में क्या हुआ?

दादर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 11 पर दो मूक बधिर व्यक्ति तुतारी एक्सप्रेस में चढ़ रहे थे। दोनों के पास पहियों वाला ट्रॉली बैग था. हालाँकि, इस बैग को ट्रेन में लोड करते समय वे दोनों बहुत थक गए थे। बैग के वजन के कारण ट्रेन में बैग चढ़ाने में दोनों को काफी पसीना आ रहा था। उस वक्त इस प्लेटफार्म पर रेलवे सुरक्षा बल के सिपाही संतोष कुमार यादव और पुलिस सिपाही माधव केंद्र गश्ती पर थे. इन दोनों व्यक्तियों की हरकतें देखकर उन्हें संदेह हुआ। तो उसने उन दोनों को रोका और बैग खोलने को कहा. इस बैग को खोलने के बाद हर कोई हैरान रह गया. इस बैग में खून से सना शव रखा हुआ था. मृतक के सिर पर गंभीर चोटें थीं। पुलिस ने व्यक्ति और बैग को हिरासत में ले लिया और आगे की जांच शुरू कर दी. इस जांच में पता चला कि यह शव (दादर सूटकेस मर्डर) अरशद अली सादिक अली शेख (उम्र 30) का है। अब अरशद अली सादिक शेख की हत्या क्यों और कैसे हुई? यह सामने आया है. आरोपी पायधुनी से दादर आये थे.

शिवजीत सिंह और जय चावड़ा ने अरशद को क्यों मारा (दादर सूटकेस मर्डर)? ये बात अब सामने आई है. अब यह बात सामने आ रही है कि यह हत्या अरशद की पत्नी ने ही कराई थी। बताया गया है कि रुखसाना और जय के बीच अनैतिक संबंध थे।

पिकअप ट्रक के डिवाइडर से टकराने से दो लोग घायल

पुणे : पुलिस ने बताया कि पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ में पुराने आरटीओ के पास एक तेज रफ्तार पिकअप ट्रक के नियंत्रण खो देने और डिवाइडर से टकराने से दो लोग घायल हो गए। यह घटना बुधवार रात करीब 10:45 बजे हुई। घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के समय ट्रक में छह लोग सवार थे। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी से फर्जी ट्रेडिंग ऐप घोटाले में 61 लाख की ठगी

मुंबई: 54 वर्षीय सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी को एक जालसाज ने 61 लाख रुपये का चूना लगा दिया। जालसाज ने खुद को यूनाइटेड किंगडम का बताया। जालसाज ने पीड़ित को एक फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड करने और पैसे को अलग-अलग लाभार्थी बैंक खातों में ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता वाशिम का निवासी है। इस साल मार्च में, सोशल मीडिया पर कमाई का मौका तलाश रहे

इस व्यक्ति को फेसबुक पर एक महिला का प्रोफाइल मिला, जिसने शुरूआती बातचीत के बाद शिकायतकर्ता को एक ट्रेडिंग ऐप के बारे में बताया। उसके निर्देश पर उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग शुरू की और 9 अप्रैल से 9 जुलाई के बीच शिकायतकर्ता ने अलग-अलग लाभार्थी बैंक खातों में 61 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। शिकायतकर्ता ट्रेडिंग ऐप पर कमाए गए मुनाफे को भी देख सकता था। हालांकि, जब उसने अपनी कमाई निकालने का फैसला किया, तो उसका अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया और जालसाज ने उससे और पैसे मांगे। तब शिकायतकर्ता को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, जिसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया और मामले में अपराध दर्ज करवाया।

जेलों में ई-साक्षात्कार, दूर-संचार प्रणाली की सुविधाओं की जानकारी दें...
हाई कोर्ट का राज्य सरकार को आदेश

मुंबई: उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को राज्य भर की जेलों में ई-साक्षात्कार और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) सुविधा की स्थिति का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने सरकार को यह आंकड़े पेश करने का आदेश दिया कि ठाणे की जेलों, मुंबई की आर्थर रोड और भायखला महिला जेल, नवी मुंबई की तलोजा, कल्याण की आधारवाड़ी, पुणे की यरवदा और कोल्हापुर, नासिक की जेलों में बंद कितने आरोपियों को पेश किया गया। टेली-संचार प्रणाली के माध्यम से और व्यक्तिगत रूप से अदालत में हैं साथ ही यह भी स्पष्ट करने का आदेश दिया कि इन जेलों में ई-इंटरव्यू की सुविधा किस हद तक उपलब्ध है.

कैदियों को अपने परिवार से संवाद करने में सक्षम बनाने के लिए जेलों में ई-साक्षात्कार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसलिए, अपर्याप्त पुलिस जनशक्ति की पृष्ठभूमि में, कैदियों को जेल से ही वीडियो संचार प्रणाली के माध्यम से अदालत में लाया जाता है। हालाँकि, अदालत ने एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान इस तथ्य पर संज्ञान लिया कि ये सुविधाएं ठीक से काम नहीं कर रही थीं। साथ ही इस मामले को लेकर एक जनहित याचिका भी दायर की गई थी. इसके अलावा सरकार ने राज्य भर की सभी जेलों और अदालतों में टेली-संचार प्रणाली की सुविधा के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया था ताकि कैदी टेली-संचार प्रणाली के माध्यम से अदालत में पेश हो सकें. सरकार द्वारा प्रस्तुत हलफनामे के अनुसार, अब तक 1406 अदालतों को दूरसंचार प्रणाली की सुविधा प्रदान की गई है।

मुस्लिम समुदाय की एक जाति को OBC सूची में किया शामिल

मुंबई : डिप्टी सीएम अजित पवार ने बताया कि अल्पसंख्यक शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के लिए कुल 11 पदों को मंजूरी दी गई है. इसी तरह इस संस्थान की स्थापना पर पदों के लिए वेतन, कार्यालय व्यय, पिछड़ापन अध्ययन, प्रशिक्षण के लिए कुल 6 करोड़ 25 लाख रुपए के व्यय को भी मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है.

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने मंगलवार को राज्य से जुड़ी पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के अंतर्गत आने वाली कुंजड़ा जाति को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई थी. आयोग की 56वीं रिपोर्ट में 6 ऐसे मामले बताए गए हैं, जिनमें मुस्लिम समुदाय में कुंजड़ा जाति शामिल थी. अब कुंजड़ा का जिक्र ओबीसी श्रेणी में मुस्लिम समुदाय में माली, बागवान और रैन (माली) जातियों के साथ किया जाएगा. राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया, ''सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश के मुताबिक कुछ नई जातियों को शामिल करके एक अद्यतन सूची तैयार की है. सिफारिशों पर चर्चा की गई और उन्हें स्वीकार कर लिया गया. राज्य मंत्रिमंडल ने राज्य में अल्पसंख्यकों के पिछड़ेपन को दूर कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए 'तरती', 'बरती', 'सारथी', 'महाज्योति', 'अमृत' की तर्ज पर अल्पसंख्यक शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान यानी 'टफ्ळक' की स्थापना करने का फैसला लिया है. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और वित्त एवं योजना मंत्री अजित पवार की कोशिशों को सफल बताते हुए राज्य के कई मुस्लिम और अल्पसंख्यक संगठनों और संस्थाओं ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बधाई दी है.

मुंबई/ बिल्डर गोपाल ठाकुर को बॉम्बे HC से मिली जमानत...
3 साल बाद भी नहीं शुरू हुई थी सुनवाई !

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप के बिल्डर गोपाल अमरलाल ठाकुर को जमानत दे दी. उन पर नवी मुंबई में बड़े पैमाने पर हाउसिंग धोखाधड़ी के मामले में शामिल होने का आरोप है. जमानत गुण-दोष के आधार पर नहीं बल्कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बिना मुकदमा चलाए लंबे वक्त तक जेल में रखने की वजह से दी गई है.

गोपाल ठाकुर को 1 जुलाई, 2021 को गिरफ्तार किया गया था और अब तक वह तीन साल, एक महीने और सात दिन की अवधि के लिए जेल में रह चुके हैं. उनकी ओर से पेश हुए वकील राजीव चव्हाण ने कहा कि गोपाल, छह गंभीर अपराधों का सामना कर रहे हैं और उन्हें सभी में जमानत मिल चुकी है.

चव्हाण ने यह भी बताया कि ईडी के मामले में अभी तक आरोप भी तय नहीं किया गया है, जबकि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से पता चलता है कि अभियोजन पक्ष 67 गवाहों से पूछताछ करना चाहता है, जिसे पूरा करने में लंबा वक्त लगेगा. एडवोकेट राजीव चव्हाण ने इस बात पर भी जोर दिया कि गोपाल ठाकुर को दोषी पाए जाने पर भी अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है, जबकि वह पहले ही कारावास की आधी अवधि काट चुके हैं. ईडी की तरफ से पेश विशेष लोक अभियोजक संदेश पाटिल और

एडवोकेट चिंतन शाह ने गुण-दोष के आधार पर जमानत याचिका का विरोध किया, जबकि अधिवक्ता साकेत केतकर और प्रेमकुमार पांडे ने उन लोगों की दुर्दशा की ओर इशारा किया, जिन्होंने ठाकुर की परियोजनाओं में फ्लैट बुक किए थे.

जस्टिस मनीष पिटाले की बेंच ने पाया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम सात साल की सजा दी जा सकती है. जस्टिस पिटाले ने ठाकुर को गोपाल जमानत देते हुए कहा, ''ये तथ्य साफ तौर से दर्शाते हैं कि ठाकुर तीन साल, एक महीने और सात दिन की अवधि तक कारावास में रहे हैं, इसलिए उन्हें लंबे वक्त तक जेल में रहने के आधार पर रिहा किया जा सकता है, क्योंकि उचित समय के अंदर मुकदमा पूरा होने की बहुत कम उम्मीद है.''

ईडी की जांच में पता चला है कि बिल्डर गोपाल अमरलाल ठाकुर ने निवेशकों से इकट्ठा की गई बड़ी मात्रा में धनराशि को अपनी कई सहयोगी संस्थाओं में डायवर्ट और गबन किया. मनी ट्रेल के जाल के जरिए, नवी मुंबई के कई बिल्डरों, मेसर्स बाबा होम्स बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, मेसर्स लखानी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स मोनार्क सॉलिटेयर एलएलपी और अन्य के साथ अपराध की बड़ी मात्रा में आय जमा की. ईडी की जांच में पता चला है कि मोनार्क ग्रुप और उसके निदेशकों ने एक ही फ्लैट को कई खरीदारों को बेच दिया. उन्होंने ग्राहकों की जानकारी के बिना पहले से बिक चुके फ्लैटों को गिरवी रखकर एनबीएफसी से लोन ले लिया. मई 2024 में मुंबई के मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर ईडी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया था. इस कड़ी में ईडी ने पीएमएलए के तहत ग्रुप की नवी मुंबई में स्थित 52.73 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की. दरअसल, मोनार्क यूनिवर्सल ग्रुप पर आरोप लगा कि उसने विज्ञापनों के जरिए नवी मुंबई में अपने कई प्रोजेक्ट्स के लिए बायर्स को आकर्षित किया और फिर उन्हें फ्लैट नहीं दिए. इसके लिए ग्रुप ने एक बड़ी बॉलीवुड अभिनेत्री को ब्रांड एंबेसडर बनाया था.

लोको पायलट ठगी करने वाले गिरोह के हाथों 22 लाख गंवाए...

मुंबई : 53 वर्षीय रेलवे लोको पायलट ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है। ठगों के गिरोह ने खुद को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) का अधिकारी बताया और पुलिस अधिकारियों ने झूठा दावा किया कि मुंबई में पीड़ित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस गिरोह के खिलाफ उसके सिम कार्ड का इस्तेमाल कर अश्लील सामग्री प्रकाशित करने की 17 शिकायतें मिली हैं। ठगों ने पीड़ित के बैंक खाते के लेन-देन की जांच करने के बहाने उसे अन्य लाभार्थियों के बैंक खातों में 22 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित भुसावल का रहने वाला है। 15 जुलाई को पीड़ित को 'ट्राई' से एक स्वचालित कॉल आया था और पीड़ित को बताया गया था कि उसकी मोबाइल सेवाएं बंद कर दी जाएंगी और आगे की जानकारी के लिए 9 दबाने का निर्देश दिया गया था।

टिटवाला बल्यानी में अवैध निर्माण को लेकर सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े को नोटिस

कल्याण: कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के ए वार्ड सीमा के अंतर्गत टिटवाला-बाल्यानी, बनेली क्षेत्र में अनगिनत अवैध चालियों का निर्माण किया जा रहा है. इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई से इनकार करने पर कमिश्नर डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने वार्ड ए के सहायक संदीप रोकड़े को अनुशासनात्मक कार्रवाई का नोटिस जारी किया है. इस नोटिस का जवाब दो दिन के अंदर देने का आदेश दिया गया है. पिछले सप्ताह कमिश्नर डॉ. इंदुरानी जाखड़ टिटवाला इलाके में बाइपास रोड का निरीक्षण करने गई थीं. उन्हें बल्याणी, बनेली क्षेत्र में उससे सटी घुमावदार सड़क के रास्ते में पहाड़ी तोड़कर अवैध निर्माण होता मिला। कमिश्नर ने सहायक आयुक्त रोकड़े से इस अवैध निर्माण के बारे में जवाब मांगा.

वार्ड में अनधिकृत निर्माणों को नियंत्रित करना और ध्वस्त करना एक नामित अधिकारी के रूप में सहायक आयुक्त का कर्तव्य है। उन्होंने इन अवैध निर्माणों को तोड़ने से परहेज किया. अतः आपको व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी मानकर आपके विरुद्ध

अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यों न की जाये? जाखड़ ने सहायक आयुक्त रोकड़े को दी है। ताम्बी कमिश्नर ने कहा है कि अगर उन्होंने दो दिन के अंदर इस खुलासे का जवाब नहीं दिया तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी.

पिछले सप्ताह लोकसत्ता ने टिटवाला में अवैध चालिस को लेकर खबर प्रकाशित की थी. नगर पालिका ने बनैली के भू-माफिया अब्दुल अतीक फारूकी के खिलाफ एमआरटीपी का मामला दर्ज किया है, जो सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर इन चालीसों के कमरों को अवैध रूप से बेचकर आम नागरिकों से धोखाधड़ी कर रहा है। क। एफ।) अब्दुल इंटरप्राइजेज के नाम से कंस्ट्रक्शन बिजनेस चलाता है। ऐसी शिकायतें हैं कि ए वार्ड के कर्मचारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं ने बल्याणी, बनेली, उंभारनी क्षेत्र में चालियां बना ली हैं। नगर निगम के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने सड़क किनारे अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायतकर्ताओं की शिकायत है कि सहायक आयुक्त रोकड़े ने आई, एच डिवीजन में रहते हुए अवैध निर्माणों को नोटिस देने के अलावा कभी भी निर्माण तोड़ने की कोई कार्रवाई नहीं की। टिटवाला क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने आयुक्त से मांग की है कि वार्ड ए में आक्रामक ढंग से काम करने वाले सहायक आयुक्त की नियुक्ति की जाए.

आयुक्त डॉ. जाखड़ को डोंबिवली पश्चिम के इस वार्ड का औचक दौरा करना चाहिए और अवैध निर्माणों और खाड़ी के किनारे नहरों का निरीक्षण करना चाहिए। शिकायतकर्ता संभाग के सहायक आयुक्त के खिलाफ भी ऐसी ही कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. शिकायतें हैं कि इस वार्ड में अवैध निर्माणों पर कोई कार्रवाई नहीं होती. शिकायतकर्ताओं का कहना है कि दो दिन पहले अवैध चाली तोड़ने का सिर्फ दिखावा हुआ था. सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े से लगातार संपर्क किया।

मुख्यमंत्री पद की पेशकश की होती तो पूरी एनसीपी को अपने साथ ले आते - अजित पवार

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार (7 अगस्त) को कहा कि अगर बीजेपी और शिवसेना ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की पेशकश की होती तो वह पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को अपने साथ ले आते. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जीवनी ''योद्धा कर्मयोगी-एकनाथ संभाजी शिंदे'' के विमोचन के मौके पर बोलते हुए अजित पवार ने मजाकिया लहजे में कहा कि राजनीति में वह मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों से सीनियर हैं. इस दौरान एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस भी मौके पर मौजूद थे.

अजित पवार ने जुलाई 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी और एनसीपी से अलग होकर बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे. अजित पवार ने कहा, ''सभी आगे बढ़ गए और मैं पीछे रह गया. मैंने कुछ लोगों से मजाक में कहा था कि जब आपने (बीजेपी की तरफ स्पष्ट इशारा करते हुए) एकनाथ शिंदे से कहा था कि वे इतने विधायकों के साथ आएं और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, तो आपको मुझसे पूछना चाहिए था, मैं पूरी पार्टी को साथ ले आता.'' अजित पवार ने कहा, ''जीवन में जो कुछ भी होता है, वह नियति द्वारा तय होता है.'' बता दें एकनाथ शिंदे ने 2022 में तत्कालीन शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ 39 विधायकों के साथ बगावत का नेतृत्व किया और ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई. इसके बाद शिंदे मुख्यमंत्री बने. अजित पवार ने कहा कि उन्होंने कई मुख्यमंत्री देखे हैं, लेकिन शिंदे जैसा कोई नहीं, जो हर वक्त लोगों से घिरे रहते हैं. इस दौरान डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा कि वह खुद ऐसे व्यक्ति हैं, जो एक ही विधानसभा कार्यकाल (2019 से 2024 के बीच) के दौरान मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने. इसी तरह पवार भी इसी अवधि के दौरान उपमुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने. पत्रकारों से बात करते हुए सीएम एकनाथ शिंदे ने यकीन जताया कि पिछले दो साल में विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की वजह से उनकी सरकार विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता बरकरार रखेगी.

तेजी से बढ़े मच्छर जनित रोग डेंगू के मामले...

मुंबई : देश के कई राज्यों में मच्छर जनित रोग डेंगू के मामले काफी तेजी से बढ़े रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र में इसका जोखिम अधिक देखा जा रहा है। इस साल जुलाई तक ही यहां डेंगू के मामले रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार साल के पहले सात महीनों में राज्य में डेंगू के केस में 83 फीसदी तक का उछाल दर्ज किया गया है। जनवरी और जुलाई 2023 के बीच जहां महाराष्ट्र में 3,164 मामले रिपोर्ट किए गए थे वहीं इस साल के पहले सात महीनों में 5,776 केस दर्ज किए गए हैं, जो करीब दोगुना के बराबर हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मच्छर जनित रोग के खतरे को लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र के साथ-साथ कर्नाटक और केरल सहित देश के पूर्वी राज्यों में भी इस साल डेंगू के मरीजों की संख्या में उछाल देखा जा रहा है। इस साल अब तक कर्नाटक में डेंगू के 19,000 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। राजधानी दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान और गुजरात में भी ये रोग स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रहा है।

डॉक्टर कहते हैं, हर साल देश में सितंबर-अक्तूबर के आसपास डेंगू के मामले पीक पर होते हैं। पर इस बार समय से पहले बारिश और बाढ़ की स्थिति ने डेंगू के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बुलाई गई एक वर्चुअल बैठक में, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि वैसे तो डेंगू के मामले आमतौर पर अक्टूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल 31 जुलाई तक के रुझानों से पता चलता है कि मामलों की संख्या पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग काफी अधिक है।

कल्याण डोंबिवली मनपा में रंगदारी वसूलने वाले कर्मचारी की विभागीय जांच जल्द

कल्याण: कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के ए वार्ड के ठोस अपशिष्ट विभाग के कर्मचारी और वाहन चालक विनोद मनोहर लाकेश्री के खिलाफ डेवलपर प्रफुल्ल गोरे की शिकायत पर एंटी एक्सटॉर्शन टीम ने विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। इस अपराध के सिलसिले में मनपा प्रशासन ने लाकेश्री को नगरसेवा से निलंबित कर दिया है. अब कमिश्नर डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने सामान्य प्रशासन विभाग को इस मामले में आरोप पत्र तैयार करने और लाकेश्री के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने का आदेश दिया है.

नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस खबर की पुष्टि की. इस बीच, ठाणे रंगदारी निरोधक दस्ता विनोद लाकेश्री मामले की जांच कर रहा है। लाकेश्री कल्याण डोंबिवली नगर पालिका की कर्मचारी हैं।इसलिए रंगदारी निरोधी टीम के अधिकारी दो दिन पहले नगर निगम मुख्यालय आये और वरीय अधिकारियों से मुलाकात की. नगर पालिका अधिकारियों से यह बताने का अनुरोध किया गया कि क्या लाकेश्री के संबंध में डेवलपर या नगर पालिका में किसी अन्य की ओर से कोई शिकायत आई है। नगर निगम के अधिकारियों ने अभिलेखों की जांच की है और इस संबंध में सारी जानकारी रंगदारी निरोधक टीम के अधिकारियों को उपलब्ध कराने में तत्परता दिखाई है.

आयुक्त डॉ. जाखड़ ने लाकेश्री मामले को गंभीरता से लिया है। इस मामले में आयुक्त ने सामान्य प्रशासन विभाग के उपायुक्त को आदेश दिया है कि नगर पालिका मजदूर लाकेश्री के खिलाफ आरोप पत्र तैयार करे और प्रशासन विभागीय जांच शुरू करे. इस बीच, विनोद लाकेश्री मामले में, एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि नगर पालिका के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर, कुछ सहायक कमिश्नर जो पहले एफ, एच, ए, सी डिवीजन में काम कर चुके थे, उनसे जबरन वसूली विरोधी टीम पूछताछ कर सकती है। इन कदमों से कुछ सहायक आयुक्तों, अधीक्षकों में बेचैनी पैदा हो गई है जो सेवानिवृत्ति के कगार पर हैं।

भंडारी का समर्थन

सी वार्ड के सहायक आयुक्त संजय कुमार कुमावत के साथ कार्यालय में दुर्व्यवहार करने वाले एच वार्ड के सफाई कर्मचारी दिलीप उर्फ बुवा भंडारी को नोटिस देने के बावजूद पिछले तीन माह में सामान्य प्रशासन विभाग या ठोस अपशिष्ट विभाग द्वारा भंडारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कर्मचारी हैरानी जता रहे हैं. भंडारी वैसे तो सफाईकर्मी हैं, लेकिन वे इस वार्ड में रेहड़ी-पटरी हटाने वाली टीम के तौर पर काम कर रहे हैं. भंडारी ने तीन महीने पहले अपने बेटे के नाम पर डोंबिवली पूर्व रेलवे स्टेशन क्षेत्र में आम बेचने के लिए एक अवैध मंच बनाया था। कुमावत के आदेश पर तत्कालीन अधीक्षक किशोर ठाकुर ने इसे तोड़ दिया था। क्रोधित भण्डारी ने कुमावत को श्राप और अपशब्द कहे थे।

मुंबई : बीकेसी में नया अस्थायी यातायात डायवर्जन...

मुंबई : काम के लिए बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) आने-जाने वाले मुंबईवासियों को मुंबई ट्रैफिक पुलिस द्वारा व्यापारिक जिले में भीड़भाड़ कम करने के लिए लगाए गए नए अस्थायी ट्रैफिक डायवर्जन का सामना करना पड़ेगा। भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) द्वारा बीकेसी में ट्रैफिक जाम और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की कमियों के बारे में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को पत्र लिखे जाने के दो दिन बाद, ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए हीरा व्यापारियों से मुलाकात की। भारत डायमंड बोर्स में दो घंटे की बैठक के बाद, ट्रैफिक पुलिस ने 8 अगस्त से व्यापारिक जिले में वाहनों की आवाजाही के लिए कम से कम चार अस्थायी डायवर्जन लागू करने का फैसला किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि ये डायवर्जन कब तक लागू रहेंगे।

बीकेसी-चूनाभट्टी कनेक्टर ब्रिज और एमटीएनएल जंक्शन के माध्यम से बीकेसी में आने वाले वाहनों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप भीड़भाड़ बढ़ गई है। सायन रेलवे ओवरब्रिज के हाल ही में बंद होने से भी इसमें भूमिका निभाई है। बैठक में जिन अन्य समाधानों पर चर्चा की गई, उनमें बीकेसी में एकतरफा सड़कें बनाना, यह सुनिश्चित करना कि ऑटोरिक्शा यातायात नियमों का पालन करें और कतार में खड़े हों, और बेस्ट बस स्टॉप को फिर से व्यवस्थित करना शामिल था। एक हीरा व्यापारी ने कहा, ''बैठक सकारात्मक रही।'' बीकेसी अपनी ऑटोरिक्शा समस्या के लिए बदनाम है, जहां साझा ऑटो चालक अक्सर अधिक किराया लेते हैं और नियमित ऑटो चालकों को धमकाते हैं।

मटन मसाला 8,000, बिरयानी 2000 रुपए किलो' महाराष्ट्र की तलोजा जेल में अमीर कैदियों के लिए चल रही अलग VIP कैंटीन!

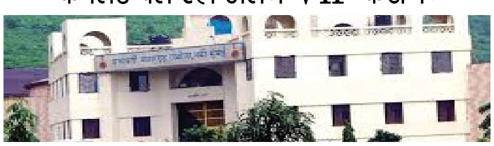

मुंबई : ''भीमा-कोरेगां मामले के आरोपी और मानवाधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग ने 30 जुलाई को स्टेट एंटी करप्शन ब्यूरो में एक शिकायत दर्ज कराई।उन्होंने वरिष्ठ जेलर सुनील पाटिल पर फूड सर्विस में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''तलोजा जेल के अधिकारी अमीर कैदियों के लिए अलग और अच्छी क्वालिटी का खाना तैयार करते हैं'',llbodyll:llRiYfBOX चिकन 2,000 रुपए, हैदराबादी-मुरादाबादी बिरयानी 1,500 रुपए, शेजवान चावल 500 रुपए, झींगा बिरयानी 2,000 रुपए, मटन मसाला 8,000 रुपए और मटन करी 7,000 रुपए... ये किसी फाइव स्टार होटल का नहीं, बल्कि ये एक जेल की कैंटीन का रेट कार्ड है! बड़ा खुलासा ये हुआ कि कथित तौर पर महाराष्ट्र की तलोजा सेंट्रल जेल में बंद अमीर कैदियों के लिए श्क्ढ कैंटीन चलाई जा रही है, जहां उन्हें इस तरह का खाना ऑफिर किया जाता है। 'टी करप्शन ब्यूरो में एक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने वरिष्ठ जेलर सुनील पाटिल पर फूड सर्विस में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।

ग्रांट रोड इलाके में बाइक नाले में गिर गई...

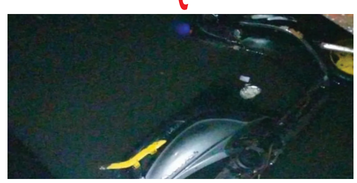

मुंबई : बरसात के मौसम में मोटर चालकों या पैदल यात्रियों के स्टॉर्मवॉटर ड्रेन में गिरने की ज्यादातर घटनाएँ जानलेवा साबित होती हैं, लेकिन ग्रांट रोड इलाके में एमएस अली रोड पर एक 37 वर्षीय व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बच गया, जब उसकी बाइक जंग लगे और पुराने ढक्कन के ढहने के कारण नाले में गिर गई। मुख्य अभियंता श्रीधर चौधरी ने कहा, ''सौभाग्य से, घटना के समय बारिश नहीं हो रही थी और बाइक सवार नाले के अंदर सीढ़ी को पकड़े रहा। बाद में, इलाके के निवासियों ने उसे बचा लिया।'' डोंगरी निवासी उस्मान जी वसीम नामक व्यक्ति रहउके अंदर गिर गया, जब उसकी बाइक ब्रिटिश काल के नाले पर चढ़ गई। ढक्कन ढह गया और बाइक सवार और एक अन्य दोपहिया वाहन भी उसमें समा गया। दोपहिया वाहन नाले के अंदर लटका रहा, जबकि वसीम सीढ़ी पर लटका रहा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, ''अगर बारिश हो रही होती, तो व्यक्ति को बचाना लगभग असंभव होता क्योंकि नाले में पानी भर जाता और पीड़ित बह जाता।''

वसीम को बचाने वाले निवासी और दुकानदार उसे जेजे अस्पताल ले गए, जहां मामूली चोटों के इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। श्रीधर चौधरी ने कहा कि ढक्कन पुराना और जंग लगा हुआ था, और बाइक के उस पर चढ़ने के बाद ढक्कन का एक हिस्सा टूट गया। चौधरी ने कहा, ''यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि बाइक सवार नाले में गिर गया, लेकिन सौभाग्य से उसे बचा लिया गया और उसे मामूली चोटें आईं।'' एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी और इलाके के निवासी अहद अंसारी ने एचटी को बताया, ''तीन दिन पहले नाले पर लगे धातु के ढक्कन को कोनों से काट दिया गया था क्योंकि बीएमसी इसे साफ करना चाहती थी। ढक्कन के कोने कमजोर थे और ठेकेदार को बताने के बावजूद उन्होंने इसे ठीक करने के बजाय इसे वेल्ड कर दिया।

पुलिस ने केमिकल कंपनी के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया...

मुंबई : बदलापुर ईस्ट पुलिस ने एक केमिकल कंपनी में हुए बड़े विस्फोट के सिलसिले में रेयर फार्मा के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विस्फोट में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। विस्फोट इतना तेज था कि रिएक्टर का रिसीवर करीब 400 मीटर दूर जाकर बदलापुर की एक रिहायशी चॉल में जा गिरा। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है पुलिस ने बताया कि उन्होंने दोनों मालिकों के खिलाफ 287,288,125(ए), 125(बी) और 324(5) बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) और केमिकल विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने फोरेंसिक टीम को बुलाया और मौके से कई केमिकल सैंपल एकत्र किए और उन्हें केमिकल विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला में भेज दिया। जांच करने और विस्फोट के कारणों का पता लगाने के बाद घटना की रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

बदलापुर फैक्ट्री विस्फोट में घायल व्यक्ति की मौत!

ठाणे : बदलापुर में रेयर फार्मा कंपनी में हुए विस्फोट में घायल हुए लोगों में से एक 35 वर्षीय घनश्याम मेस्त्री ने मंगलवार रात दम तोड़ दिया। बदलापुर में मानेकेवाड़ी एमआईडीसी के अंदर स्थित फैक्ट्री में सोमवार सुबह करीब 4:15 बजे एक रिएक्टर में विस्फोट हुआ, जो दवाइयों की गोलियां बनाने में इस्तेमाल होने वाला रसायन बेंजोल बनाता है। मृतक मूल रूप से सिंधुदुर्ग का रहने वाला था। उसकी मौसी लक्ष्मी मेस्त्री ने कहा, ''घनश्याम सबसे छोटा होने के बावजूद अपने

भाइयों और माता-पिता के परिवार का आर्थिक और अन्य तरह से भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी को पैर में गंभीर चोट के लिए सर्जरी की जरूरत है, जिससे उसके लिए अंतिम संस्कार में शामिल होना मुश्किल हो रहा है।''

बदलापुर पुलिस ने अभी तक कंपनी के मालिकों को गिरफ्तार नहीं किया है और न ही पूछताछ या बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है। कंपनी के निदेशक राजेंद्र पवार, प्रमिला पवार और चंद्रसेन शिंदे हैं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शुभदा शितोले ने कहा कि उन्होंने मामले की जांच शुरू कर दी है और प्रारंभिक जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। इस बीच, अंबरनाथ-बदलापुर क्षेत्र के महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कंपनी से कहा है कि जब तक औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जांच नहीं कर लेते और काम के लिए मंजूरी नहीं दे देते, तब तक वह सभी उत्पादन बंद कर दें।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com